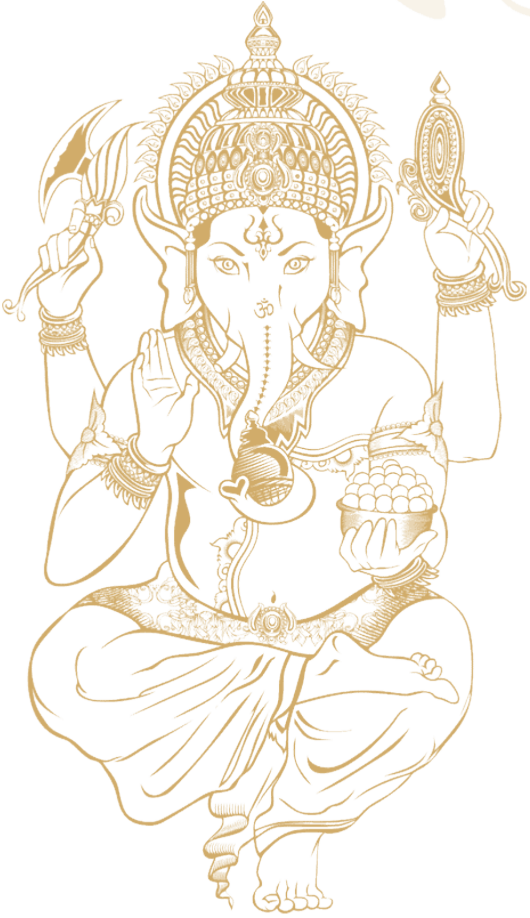

Mr.sagar gulati

26 Mar 1994

11:50 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121026211

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**26/03/1994**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**11:50:00 घंटे**
इष्ट	13:47:42 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	11:28:52 घंटे
वेलान्तर	-00:05:47 घंटे
साम्पातिक काल	23:42:44 घंटे
सूर्योदय	06:18:55 घंटे
सूर्यास्त	18:35:24 घंटे
दिनमान	12:16:30 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	11:35:06 मीन
लग्न के अंश	14:40:55 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**पू०फाल्गुनी - 4**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	गण्ड
करण	वणिज
गण	मनुष्य
योनि	मूषक
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	टू-टूंगर
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	14:40:55	319:53:29	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	केतु	---
सूर्य			मीन	11:35:06	00:59:24	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	चंद्र	मित्र राशि
चंद्र			सिंह	24:40:32	14:55:51	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	मित्र राशि
मंगल		अ	कुंभ	20:59:44	00:47:03	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	गुरु	सम राशि
बुध			कुंभ	14:59:51	01:16:09	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	सम राशि
गुरु	व		तुला	19:51:43	00:04:36	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	मंगल	शत्रु राशि
शुक्र			मीन	28:08:25	01:14:12	रेवती	4	27	गुरु	बुध	शनि	उच्च राशि
शनि			कुंभ	12:54:52	00:06:42	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	बुध	मूलत्रिकोण
राहु	व		वृश्चि	01:08:30	00:07:35	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	मंगल	शत्रु राशि
केतु	व		वृष	01:08:30	00:07:35	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	राहु	सम राशि
हर्ष			मक	02:02:08	00:01:45	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	---
नेप			धनु	29:19:11	00:00:59	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	राहु	---
प्लूटो	व		वृश्चि	04:07:04	00:00:49	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	---
दशम भाव			मीन	01:31:13	--	पू०भाद्रपद	--	25	गुरु	गुरु	राहु	--

व - वक्री   स - स्थिर

अ - अस्त   पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:46:50

लग्न-चलित

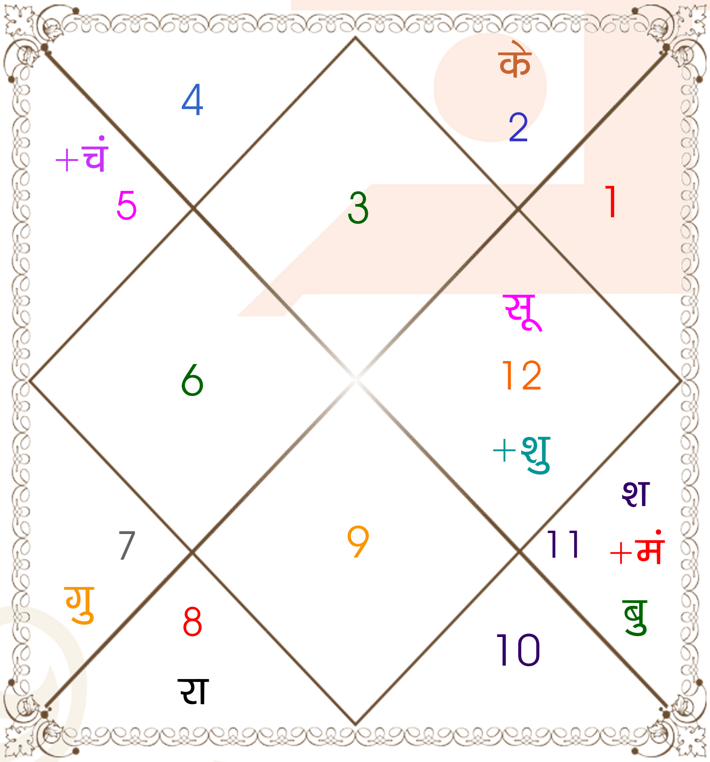

चन्द्र कुंडली

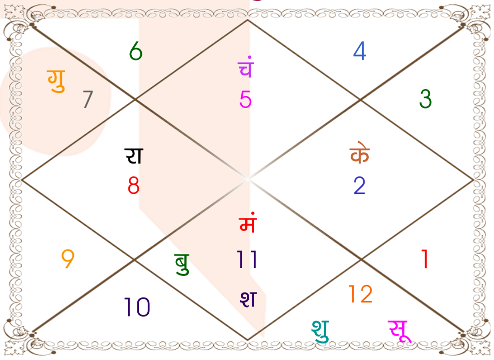

नवमांश कुंडली

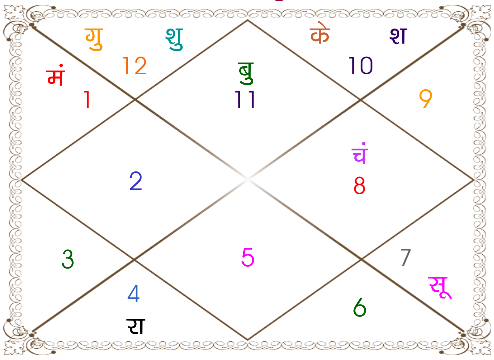

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 2 वर्ष 11 मास 25 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
26/03/1994		21/03/1997		21/03/2003		21/03/2013		21/03/2020	
21/03/1997		21/03/2003		21/03/2013		21/03/2020		21/03/2038	
	00/00/0000	सूर्य	08/07/1997	चंद्र	20/01/2004	मंगल	17/08/2013	राहु	02/12/2022
	00/00/0000	चंद्र	07/01/1998	मंगल	20/08/2004	राहु	05/09/2014	गुरु	26/04/2025
	00/00/0000	मंगल	15/05/1998	राहु	19/02/2006	गुरु	11/08/2015	शनि	02/03/2028
	00/00/0000	राहु	09/04/1999	गुरु	21/06/2007	शनि	19/09/2016	बुध	20/09/2030
	00/00/0000	गुरु	26/01/2000	शनि	19/01/2009	बुध	16/09/2017	केतु	08/10/2031
	00/00/0000	शनि	07/01/2001	बुध	20/06/2010	केतु	13/02/2018	शुक्र	08/10/2034
	26/03/1994	बुध	13/11/2001	केतु	20/01/2011	शुक्र	15/04/2019	सूर्य	02/09/2035
बुध	20/01/1996	केतु	21/03/2002	शुक्र	19/09/2012	सूर्य	21/08/2019	चंद्र	03/03/2037
केतु	21/03/1997	शुक्र	21/03/2003	सूर्य	21/03/2013	चंद्र	21/03/2020	मंगल	21/03/2038

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
21/03/2038		21/03/2054		21/03/2073		21/03/2090		21/03/2097	
21/03/2054		21/03/2073		21/03/2090		21/03/2097		00/00/0000	
गुरु	08/05/2040	शनि	24/03/2057	बुध	18/08/2075	केतु	17/08/2090	शुक्र	21/07/2100
शनि	20/11/2042	बुध	02/12/2059	केतु	14/08/2076	शुक्र	17/10/2091	सूर्य	22/07/2101
बुध	25/02/2045	केतु	10/01/2061	शुक्र	15/06/2079	सूर्य	22/02/2092	चंद्र	22/03/2103
केतु	31/01/2046	शुक्र	12/03/2064	सूर्य	20/04/2080	चंद्र	22/09/2092	मंगल	22/05/2104
शुक्र	01/10/2048	सूर्य	22/02/2065	चंद्र	20/09/2081	मंगल	18/02/2093	राहु	22/05/2107
सूर्य	21/07/2049	चंद्र	23/09/2066	मंगल	17/09/2082	राहु	09/03/2094	गुरु	20/01/2110
चंद्र	20/11/2050	मंगल	02/11/2067	राहु	05/04/2085	गुरु	13/02/2095	शनि	22/03/2113
मंगल	27/10/2051	राहु	08/09/2070	गुरु	12/07/2087	शनि	24/03/2096	बुध	27/03/2114
राहु	21/03/2054	गुरु	21/03/2073	शनि	21/03/2090	बुध	21/03/2097		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 2 वर्ष 11 मा 16 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के तृतीय चरण में, मिथुन लग्न, कुंभ नवमांश एवं तुला के द्रेष्काण के उदयकाल में हुआ था। वर्तमान काल के प्रभाव से यह स्पष्ट होता है कि आपका व्यक्तित्व विचित्र विलक्षणता से युक्त है। कुछ काल के पश्चात् मिथुन प्रभाव से आप तानाशाही प्रवृति के हो जाएंगे। आप अपनी पत्नी/पति पर प्रभुत्व जमाएंगे। कुंभ नवांश के प्रभाव से यह चित्रित हो रहा है कि आपका स्वभाव विनम्र होगा। आप अपने कार्य-कलाप का ज्ञान मात्र अपने ध्यान में रख कर किस प्रकार कार्य संपादन किया जाए। उसी प्रकार नियम पूर्वक संपादित करेंगे।

निसंदेह आप अपना पारिवारिक जीवन शांति पूर्वक एवं आनंददायक ढंग से बिताना चाहते हैं। आप अपने निवास स्थान पर रह कर, अपने व्यवसाय संबंध स्थापित करना चाहते हैं। आप चाहते हैं कि आपकी पत्नी आपकी वासनात्मक प्रवृत्ति की अनदेखी कर दे। यदि जीवन संगिनी निष्ठुरता पूर्वक आपमें कुकृत्यों को प्रमाणित कर लें तथा उग्र रूप धारण कर ले। पुनः आप अपने चयनित जीवन को व्यवस्थित कर लेंगे, वही उत्तम होगा। इसके संबंध में आपको अधिक सावधानी पूर्वक व्यवहार करना चाहिए। अच्छी बात तो यह होगी यदि आप चाहते हैं कि मेरी धर्मपत्नी जीवन संगिनी सर्वोत्कृष्ट हो, तो आप उस राशि लग्न वालों के साथ संबंध स्थापित करें कि जिसका जन्म लग्न या राशि तुला मेष, सिंह अथवा कुंभ राशि का प्राणी हो। इस प्रकार की प्रवृत्ति आपके पारिवारिक जीवन को संतुलित रखने में सुनिश्चितता प्रदान करने में सहायक हो सकता है।

बहुधा आर्द्रा नक्षत्रीय प्राणी की प्रवृत्ति हिंसात्मक होती है और ये कृतघ्न हुआ करते हैं। ये अनैतिकता एवं दूसरों को पीड़ित करने की प्रवृत्ति को त्याग दें। अन्यथा इस प्रकार के रूझान को सुव्यवस्थित नही कर सके तो प्रोत्साहन के बिना सदैव ही बहुत अधिक धनोपार्जन की महत्वाकांक्षा समाप्त हो जाएगी।

मिथुन राशि का प्राणी निरंतर व्यग्र रहता है, यह एक आवश्यक विषय है। ये किसी भी विषय वस्तु की प्राप्ति हेतु विद्युत गति से कार्यरंभ करना चाहते हैं। ये अपनी योजना का कार्यान्वयन करते हैं। ये अपनी योजना का कार्यान्वयन करते ही शीघ्रता पूर्वक परिणम प्राप्त करना चाहते हैं। ये अपनी दिनचर्या, विधि एवं विधान के संपादन हेतु अपने समय का उपभोग नही कर पाते हैं। अनुकूल परिणाम प्राप्ति हेतु निश्चय पूर्वक अपनी नियमित आदतों के अनुसार व्यवसाय को परिवर्तितकर शीघ्रता पूर्वक लाभ प्राप्त करना चाहते हैं। ये किसी भी प्रकार को निश्चित कार्य या पद संभालने में तथा कार्यरूप देने में असमर्थ हो जाते हैं।

यदि ये इस प्रकार की अपनी बुरी आदतों को छोड़ दें तो मुख्यतः 26 वर्ष की आयु से अपने उज्जवल भविष्य की ओर अपने जीवन को अग्रसर कर सकते हैं। अर्थात् अच्छी प्रकार जीवन व्यतीत हो सकता है। मिथुन लग्न राशि प्रभावित प्राणी के लिए अनुकूल कार्य, सेवा अथवा व्यवसाय के लिए पुस्तक संबंधी कार्य, विज्ञापन एवं प्रचार-प्रसार कार्य व्यवसाय अनुकूल है। यदि ये इनमें से कोई भी कार्य अपना लें तो वे पूर्णरूपेण उन्नतिशील एवं समृद्ध हो सकते

हैं।

मिथुन राशि वालों को कुछ भयानक रोग जैसे स्वर भंग रोग, क्षय रोग, दमा आदि रोगों के विरुद्ध सतर्क एवं रक्षित रहना चाहिए। ऐसे व्यक्ति यदा-कदा मुर्छित हो जाते हैं। क्योंकि ये एकनिष्ट होकर कठिन श्रम करते-करते उत्तेजना पूर्वक जीवन बिताने लगते हैं। इन्हें बुद्धिमत्ता पूर्वक शांति ग्रहण कर पूर्ण रूपेण विश्राम एवं शयन करना चाहिए।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है। आपके लिए अंक 3 एवं 5 अंक शुभ एवं उत्तम है। अंक 8 एवं 4 अंक त्याज्यनीय है।

साथ ही लाल रंग एवं काले रंग को अस्वीकृत करें। यद्यपि रंग बैगनी, नीला हरा एवं पीला रंग आपके लिए अनुकूल एवं व्यवहारणीय है।